

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I---खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 157]

मई बिल्ली, मंगलवार, जुलाई 4, 1972/अभाषाह 13, 1894

No. 157]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 4, 1972/ASADHA 13, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह घलग संकलम के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

RESOLUTION

New Delhi, the 27th June 1972

No. 3(5)/71-P&P.—Under the Resolution No. 3(1)/69-P&P, dated the 21st April, 1970 as subsequently amended by resolutions dated 27th February, 1971 and dated 27th July, 1971, the Ministry of Foreign Trade had notified the terms of reference, constitution, etc. of the Board of Trade which was constituted for a period of two years from 1st January, 1970. Since the present tenure of the Board ended on 31st December, 1971, the Government of India have decided to reconstitute it for a further period of two years effective from 1st January, 1972.

The terms of reference, constitution etc. of the new Board of Trade will be as under-

2. Constitution.—The Board of Trade will be a compact body consisting of about 45 members as shown in the Schedule Annexed. It will be presided over by the Minister of Foreign Trade and in his absence by the Deputy Minister of Foreign Trade. The Secretary, Ministry of Foreign Trade will function as its Executive Vice-Chairman.

The Board will have two Secretaries viz. (1) Economic Adviser, Ministry of Foreign Trade and (2) The Chief Controller of Imports and Exports.

Members of the Board will hold office for two years at the end of which it will be reconstituted. The present tenure of the Board will expire on 31st December, 1973.

- 3. Terms of reference.—The Board will concern itself mainly with problems and policies relating to the development of country's Foreign Trade and make recommendations to Government from time to time with particular reference to:
 - (i) expansion of production bearing on import savings and export earnings;
 - (ii) product development and adaptation with a view to the expansion of overseas sales;
 - (iii) improvements in export marketing mechanism and media, including the extension of State Trading; and
 - (iv) provision of commercial services for the benefit of the commercial community with special regard to export programme.
- 4. The Board shall have powers to co-opt members, not exceeding five, for stated periods. The Chairman of the Board may also invite (specially) to the meetings of the Board such other persons as may be considered necessary from time to time.
- 5. The headquarters of the Board will be in New Delhi. It may meet at any place in India.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to the Chairman, Deputy Chairman, Members of the Board of Trade, the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Planning Commission, all Ministries of the Government of India and all the State Governments in India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SCHEDULE

Members of the Board of Trade

Minister of Foreign Tsade—Chairman.

Deputy Minister of Foreign Trade—Deputy Chairman.

Secretary, Ministry of Foreign Trade-Executive Vice-Chairman.

II. Members of Parliament: --

Shri Shambhunath, Member, Lok Sabha.

Shri Lokanath Misra, Member, Rajya Sabha.

III. Representatives of Commercial and Industrial Organisations—Ex-officio.

President, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry—Shri Madanmohan Mangaldas.

President, Associated Chambers of Commerce and Industry of India—Shri A. N. Haksar.

Chairman, Federation of Indian Export Organisations—Shri P. A. Narielwala.

Chairman, Indian Banks Association, Bombay-Shri B. N. Adarkar.

Chairman, Engineering Export Promotion Council-Shri Raunaq Singh.

President, Indian National Shipowners' Association, Bombay-Shri C. P. Srivastava.

President, Travel Agents Association of India-Shri Arvind N. Parikh.

President, Federation of Indian Mineral Industries—Shri Dharam Chand Jain (M.P.).

President, Indian Chamber of Commerce-Shri Sanjoy Sen.

President, Tea Association of India-Shri Narendra Kumar.

Director General, National Council of Applied Economic Research—Shri S. Bhoothalingam.

IV. Representatives of Public Sector Trading Organisations-Ex-officio.

Chairman, State Trading Corporation-Shri P. L. Tandon,

Chairman, Minerals and Metals Trading Corporation-Shri S, Ramachandran.

Managing Director, National Industrial Development Corporation—Shri R. K. Sethi.

V. Non-official Members: ----

Shri Birla, K.K.

Shri Charat Ram.

Shri Goenka, R.P.

Shri Jajodia, K.K.

Shri Kirloskar, S.L.

Shri Modi, K. N.

Shri Mohd, Yusuf.

Shri Mammen Mappillai, K. M.

Shri Nehru, B.

Shri Pran Prasad.

Shri Ramanujam, G.

Shri Rasesh N. Mafatlal.

Shri Santokh Singh

Shri Santosh K. Tulshan.

Shri Sohanlal Singhania.

Shri Vinaya Krishna Prasad.

VI. Representative of Reserve Bank of India, Bombay-Ex-officio.

Deputy Governor, Reserve Bank of India, Bombay-Shri V. V. Chari,

VII. Official representatives-Ex-officio.

Secretary, Department of Agriculture, Ministry of Agriculture—Shri T. P. Singh.

Secretary, Ministry of Industrial Development—Shri B. B. Lal.

Secretary, Ministry of Steel & Mines-Shri H. C. Sarin.

Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance—Dr. I. G. Patel

Secretary, Planning Commission-Shrl A. Mitra.

Special Secretary, Ministry of Forlegn Trade-Shri Mohd. Yunus.

Additional Secretary, Ministry of Foreign Trade-Shri Y. T. Shah.

Additional Secretary & Director General, Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance—Shri A. N. Banerji

Secretaries

Economic Adviser, Ministry of Foreign Trade—Dr. Manmohan Singh. Chief Controller of Imports & Exports—Shri M. M. Sen.

MANMOHAN SINGH, Economic Adviser.

विवेश व्यापार मन्त्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 27 जून 1972

संव 3(5)/71-पी० एण्ड० पी०.—विदेश न्यापार मंत्रालय ने अपने संकल्प संव 3(1)/69-पी० एण्ड० पी० दिनांक 21 अप्रैल, 1970 के अंतर्गत, जो बाद में दिनांक 27 फरवरी, 1971 तथा 27 जुलाई 1971 के संकल्पों द्वारा संशोधित किया गया था, व्यापार बोर्ड के, जो 1 जनवरी, 1970 से दो वर्ष की अविधि के लिए गठित किया गया था, विचारार्थ विषय, गठन आदि अधिसूचित किये थे। चूंकि बोर्ड का वर्तमान कार्यकाल 31 दिसम्बर, 1971 को समाप्त हो गया था, अतः भारत सरकार ने 1 जनवरी, 1972 से प्रभावी दो वर्ष की श्रतिरिक्त अविधि के लिए इसे पुनर्गठित करने का विनिश्चय किया है।

नये व्यापार बोर्ड के विचारार्थ विषय, गठन भ्रादि निम्नोक्त प्रकार होंगे ---

2. गठम .-व्यापार बोर्ड एक मुसंहत निकाय होगा, जिसमें लगभग 45 सदस्य होंगे, जैसे कि अनु अद्ध अनुसूची में दिखाये गये हैं। इसकी अध्यक्षता विदेश व्यापार मंत्री और उनकी अनुपस्थित में विदेश व्यापार उपमंत्री द्वारा की जायेगीं। विदेश व्यापार मंत्रालय के सचिव इसके कार्यपालक उपाध्यक्ष होंगे।

बोर्ड के बो सचिव होंगे प्रर्थात् (1) ग्राधिक सलाहकार, विदेश व्यापार मंत्रालय श्रौर (2) श्रायास निर्यात के मुख्य नियंत्रक।

बोर्ड के सदस्य दो वर्ष की श्रवधि के लिए पद धारण करेंगे, जिसकी समाप्ति पर इसे पुनर्गिठत किया जायेगा। बोर्ड का वर्तमान कार्यकाल 31 दिसम्बर, 1973 को समाप्त होगा।

- 3. विचारार्थ विशेष :— नोर्ड का मुख्यतः देश के विदेष व्यापार के विकास से संबंधित समस्याभ्रों सथा मीतियों से रहेगा तथा वह समय-समय पर निम्नोक्त निषयों के विशिष्ट संदर्भ में सरकार को सिफारिशें करेगा :—
 - (1) श्रायात अचतों भौर निर्यात श्राय से संबंधित उत्पादन का विस्तार;
 - (2) विदेशों में बिकी बढ़ाने के विचार से उत्पाद विकास तथा अनुकूलन ;
 - (3) निर्यात विषणम व्यवस्था तथा माध्यमों में सुधार जिसमें राज्य व्यापार का विस्तार शामिल है; तथा
 - (4) निर्यात कार्यक्रम के विशेष संदर्भ में वाणिज्यक समुदाय के लाभ के लिए वाणिज्यिक सेवाओं की व्यवस्था।
- 4. बोर्ड को उल्लिखित श्रवधियों के लिए सदस्यों को, जो पांच से अधिक नहीं होंगें सहयोजित करने का ग्रधिकार होगा। बोर्ड का श्रध्यक्ष समय-समय पर बोर्ड की बैठकों में ऐसे व्यक्तियों को जो भावण्यक समझी जाएं श्रामंद्रित (विशेष रूप से) भी कर सकता है।
- 5. बोर्ड का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, यह भारत में किसी भी स्थान पर श्रपनी बैठक भायोजित कर सकता है।

ग्रावेज

ग्रादेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति ग्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष, व्यापार बोर्ड के सदस्य, राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिव, प्रधाद मंत्री सचिवालय, योजना ग्रायोग, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा भारत में सभी राज्य सरकारों को भेज दी जाए।

यह भी श्रादेश दिया जाता है कि संकल्प सामान्य जानकारी के लिए भारत के राजप द्र में प्रकाशित किया जाए ।

श्रनुसूची

विदेश व्यापार मंत्री

ग्रध्यक्ष

विदेश ब्यापार उपमंत्री

उपाध्यक्ष

सचिव, विदेश व्यापार मंद्रालय

कार्यपालक उपाध्यक्ष

2. संसव के संबस्य

श्री शम्भूनाथ, सदस्य लोक सभा। श्री लोकनाथ मिश्र, सदस्य राज्य सभा।

3. वारिएज्यिक तथा श्रीचोगिक संस्थाश्री के प्रतिनिधि--पदेन

ग्रध्यक्ष, भारती वाणिज्य तथा उद्योग मंडल संध—श्री मनमोहन मंगलदास । ग्रध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य तथा उदयोग सहयोगी मंडल-श्री ए० एन० हक्सर । भ्राठ्यक्ष, भारतीय निर्यात संगठन संग्र-श्री पी० ए० नारियल वाला ।
भ्राध्यक्ष, इंडियन बैंक एसोसियेशन, बस्बई-श्री बी० एन० भ्रदारकर ।
भ्रध्यक्ष, इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद-श्री रौनक सिंह ।
भ्रध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय पोतमालिक संध, बस्बई-श्री सी०पी० श्रीवास्तव ।
भ्रध्यक्ष, द्रेवल एजेन्ट्स एसोसियेशन भ्राफ इंडिया-श्री भ्रारविन्य एन० पारिख ।
भ्रध्यक्ष, भारतीय खनिज उव्योग संध-श्री धर्मचन्द जैन ।
भ्रध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य मंडल-श्री संजोय सेन ।
भ्रध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य मंडल-श्री संजोय सेन ।
भ्रष्ट्यक्ष, भारतीय वाण संध-श्री नरेन्द्र कुमार ।
महानिदेशक, भारतीय व्यावहारिक भ्राधिक गवेषणा परिषद-श्री एस० भ्रतिलगम ।

- 4. सरकारी ध्यापार संगठनों के प्रतिनिधि—पदेन श्रध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम—श्री पी० एस० टंडन। श्रध्यक्ष, खनिज तथा धातु व्यापार निगम—श्री एस० रामचन्द्रन। प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय भौदयोगिक विकास सहयोग—श्री भ्रार० के० सेठी।
- 5. ग**र सरकारी स**्स्य श्री विद्वला. के० के०। श्री चरत राम । श्री गोयनका. घार० पी० । श्री जाजोडिया, के० के०। श्री किर्लोस्कर, एस० एस० । श्री मोदी, के ० एन। श्री मोहम्मद युसुफ । श्री मम्मेन मप्पील्लई, के० एम०। श्री नेहरु, बी०। श्री प्राण प्रसाद । श्री रामानुजम, जी०। श्री बाशेष एन० मफत लाल। श्री संतोक्ष सिंह। श्री संतोक्ष के० तुलशन । श्री सोहन लाल सिधानिया । श्री विनय कृष्ण प्रसाद ।
- 6. रिज़र्व नेंक स्नाफ इंडिया, बम्बई के प्रतिनिधि-पदेन डेप्यूटी गवर्नर, रिज़र्व वैंक स्नाफ इंडिया, बम्बई-श्री वी० वी० चारी।

7. सरकारी प्रतिनिधि-पदेन :

सचिव, कृषि विभाग, कृषि मंत्रालय-श्री टी० पी० सिंह ।
सचिव, भौद्योगिक विकास मंत्रालय-श्री बी० बी० लाल ।
सचिव, इस्पात तथा खान मंत्रालय-श्री एच० सी० सरीन ।
सचिव, भ्राधिक धार्य विभाग-वित्त मंत्रालय-डा० भाई० जी० पटेल ।
सचिव, योजना भ्रायोग श्री ए० मित्रा ।
विभोष सचिव, विदेश व्यापार मंत्रालय-श्री मोहम्मद युनस ।
भ्रपर सचिव, विदेश व्यापार मंत्रलय श्री वाई० टी० शाह ।
भ्रपर सचिव, तथा महानिदेशक सरकारी उद्यम ब्युरो, वित्त मंत्रालय श्री ए० एन० बनर्जी ।

- सचिव

भाषिक सलाहकार, विदेश व्यापार मंत्रालय-श्री मनमोहन सिंह। भाषात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक-श्री एम० एम० सेन।

> मनमोहन सिंह, भाषिक सलाहकार ।